आज़ादी का
अमृत महोत्सव

साप्ताहिक सूचना पत्र

(दिनांक 07.11.2022 से 13.11.2022)

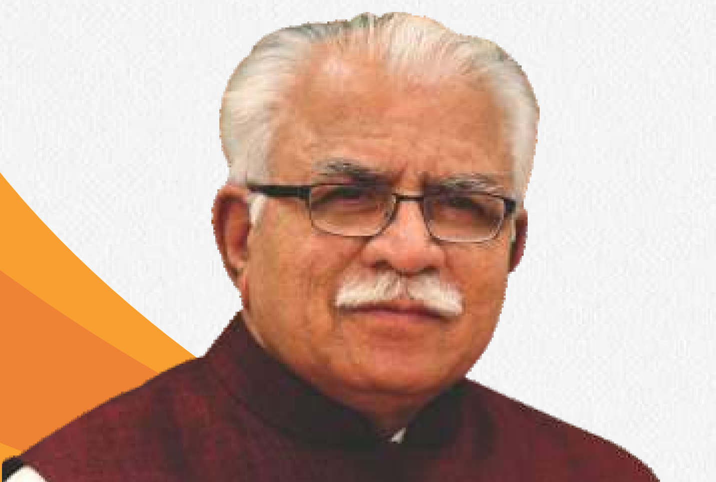

भारतीय जनता पार्टी
हरियाणा

करनाल में जन संवाद

(दिनांक 07.10.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने करनाल दौरे के दौरान 100 से अधिक लोगों की निजी एवं सामूहिक समस्याओं को सुना, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निवारण कर दिया गया तथा शेष समस्याओं के समाधान के लिए उच्च अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जन सुनवाई के दौरान कुंजपुरा सैनिक स्कूल के प्राचार्य द्वारा स्कूल से संबंधित समस्याओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत करवाया जिस पर मुख्यमंत्री जी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव से दूरभाष पर बात की और समस्या का समाधान निकालने के निर्देश दिए।

जन सुनवाई के दौरान पेंशनर एसोसिएशन के सदस्यों ने पेंशन से संबंधित समस्याएं मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखी, जिस पर मुख्यमंत्री जी ने सदस्यों को उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए आश्वस्त किया और यह भी कहा कि सरकार पेंशनरों के हित में कार्य कर

रही है ।

मुख्यमंत्री जी ने सुनवाई के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि ई.डबल्यू.एस. आरक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय का यह अच्छा फैसला आया है। केन्द्र व राज्य सरकार ने इस पर कानून बनाया था, सर्वोच्च न्यायालय ने उसी कानून पर अपनी मोहर लगाई है। न्यायालय के इस फैसले से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मेडिकल पढ़ाई के बाद मेडिकल छात्रों को सरकारी नौकरी करनी चाहिए, सरकारी नौकरी में बने रहने के लिए ही सरकार बॉन्ड पॉलिसी लेकर आई है, ताकि लोगों को बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पराली का उपयोग ज्यादा से ज्यादा हो इसके लिए सरकार एक पॉलिसी बनाने जा रही है, पॉलिसी बनने के बाद इस दिशा काफी अच्छे सुधार देखने को मिलेंगे। सरकार द्वारा पराली प्रबंधन के लिए किसानों को प्रोत्साहन राशि देने के साथ–साथ आधुनिक कृषि यंत्र अनुदान राशि पर मुहैया करवाए गए हैं, जिसके फलस्वरूप पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष हरियाणा में पराली जलाने के कम मामले कम हुए हैं।

माननीय उपराष्ट्रपति जी का हरियाणा दौरा

(दिनांक 08.11.2022)

प्रभाव : भारत के माननीय उपराष्ट्रपति जी ने हरियाणा प्रदेश के अपने पहले दौरे की शुरुआत किसानों के मसीहा दीनबंधु सर छोटू राम जी के गांव गढ़ी सांपला से की।

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि वह सौभाग्यशाली है की उन्हें यहां आने का अवसर मिला। उन्होंने हरियाणा आमंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने उपराष्ट्रपति जी का हरियाणा में प्रथम आगमन पर स्वागत किया।

उपराष्ट्रपति जी रोहतक जिले के सांपला स्थित दीनबंधु सर छोटूराम के स्मारक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में आए थे। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा चाहे वह अन्न की

या सीमाओं की सुरक्षा की बात हो, हरियाणा सदैव उसमें आगे रहा है। हरियाणा के युवाओं में सदैव राष्ट्रभक्ति सर्वोपरी रही है और वे अपना सर्वोच्च बलिदान देने में भी पीछे नहीं हटते हैं। इस स्थान पर आना मेरे जीवन का एक निर्णायक व महत्वपूर्ण दिन है ।

उपराष्ट्रपति जी ने रोहतक जिले में अस्थल बोहर में स्थित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में 2145 विद्यार्थियों को डिग्रियां और मेडल भी प्रदान किए। उपराष्ट्रपति जी ने डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा में ट्रांसफोमेशन की शक्ति होती है।

दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन में बहुत अहम पल होता है, जिसे उन्हें कभी नहीं भूलना चाहिए। आज के बाद यहां से निकल कर विद्यार्थियों को राष्ट्र व समाज को सर्वोपरी रखते हुए सेवा भाव से समाज के लिए कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में आकर उन्हें बेहद गौरवान्वित महसूस हो रहा है, क्योंकि हरियाणा के किसान और जवान राष्ट्र की सुरक्षा के लिए आगे रहे हैं। आज हरियाणा के खिलाड़ी भी प्रदेश व देश का नाम रौशन कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति जी ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री यशस्वी और ऊर्जावान हैं और 6 अगस्त को निर्वाचित होने के बाद मुख्यमंत्री जी ने उन्हें हरियाणा आगमन की शुरुआत इस स्थान से करने को कहा था, जिसके लिए वे उनके आभारी हैं। उपराष्ट्रपति जी ने

साप्ताहिक सूचना पत्र

मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार की खेल नीति की प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले अगर बच्चे खेल में रुचि रखते थे तो उनके अभिभावक खेलने की बजाय उन्हें पढ़ाई करने के लिए डांटते थे। लेकिन आज हरियाणा के खिलाड़ियों ने खेल क्षेत्र में जो मुकाम हासिल किया है, उससे आज अभिभावक खेल को एक कैरियर के रूप में देखते हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने उपराष्ट्रपति जी का हरियाणा में प्रथम आगमन पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पहले हरियाणा को कृषि प्रधान प्रदेश कहा जाता था। सरकार कोशिश कर रही है कि अब हरियाणा को कृषक प्रधान बनाया जाए। किसानों की आय कैसे बढ़े इसको लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे है। हरियाणा हर क्षेत्र में आगे हैं। आबादी और क्षेत्र के हिसाब से हरियाणा देश का अग्रणी राज्य है उन्होंने कहा कि देश की जीडीपी के हिसाब से भी हरियाणा काफी आगे है। हरियाणा के खिलाड़ी दुनिया में अपना नाम कमा रहे हैं और सेना में भी हमारे प्रदेश की भागीदारी 10 प्रतिशत से अधिक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 में हरियाणा में एमबीबीएस की केवल 750 सीटें थी जो आज बढ़कर 1700 हो गई हैं। हम हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोल रहे हैं और हर जिले में मेडिकल कॉलेज खुलने से एमबीबीएस की सीटें 3050 हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि पंचकूला में आयुर्वेद का ऐम्स भी खोला जा रहा है। इसके अलावा, गांव में आयुर्वेद के केंद्र भी खोले जाएंगे। माननीय प्रधानमन्त्री जी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर आगे बढ़ रहा है।

हरियाणा विधानसभा में कॉफी टेबल बुक हरि सदन का विमोचन

(दिनांक 10.11.2022)

प्रभाव : हरियाणा की 14वीं विधानसभा की नई परंपराओं और अभिनव प्रयोगों के 3 गौरवशाली वर्षों पर प्रकाशित कॉफी टेबल बुक हरि सदन का मुख्यमंत्री जी ने विमोचन किया।

हरियाणा विधानसभा में आयोजित विमोचन समारोह में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन 3 गौरवशाली वर्षों के दौरान हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने जिस प्रकार सदन की कार्यवाही का संचालन किया, वह प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्री ज्ञान चंद गुप्ता जी विधानसभा में कई क्रांतिकारी परिवर्तन लेकर आए हैं।

नई पहल करते हुए हरियाणा विधानसभा को ई–विधानसभा बनाया है। उन्होंने कहा आगामी वर्षों में हरियाणा विधानसभा पूरी तरह पेपरलैस हो जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विधानसभा में विधायकों के लिए भोजन

की व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। 100 रुपये थाली की नई व्यवस्था शुरू की गई है। इसके अलावा, सदन की कार्यवाही के समय में भी बदलाव किया गया है। अब सुबह 11:00 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होती है और सायं काल तक विधायी कार्य पूरे होने तक चलती है। उन्होंने कहा बजट सत्र के दौरान सदन में 4 दिन की छुट्टी रखी गई ताकि विधायक बजट को अच्छे से पढ़ सकें और इन 4 दिनों के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों विधायकों से सुझाव भी लिए गए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणा विधानसभा का नया भवन बनाने के लिए भी विधानसभा अध्यक्ष ने प्रयास किए हैं। भवन के लिए जगह चिह्नित कर ली गई और इसके लिए सहमति बन गई है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष जी ने मुख्यमंत्री जी का कॉफी टेबल बुक का विमोचन करने के लिए आभार व्यक्त किया।

साप्ताहिक सूचना पत्र

इंडिया एग्रीबिजनेस बेस्ट स्टेट अवार्ड

(दिनांक 10.11.2022)

प्रभाव : कृषि प्रधान राज्य को कृषक प्रधान राज्य बनाने के हरियाणा सरकार के प्रयासों को पुनः गति मिली है, जब केंद्र सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए हरियाणा को इंडिया एग्रीबिजनेस बेस्ट स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद द्वारा जारी इंडिया एग्रोबिजनेस अवार्ड–2022 में हरियाणा को सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में पुरस्कार मिला है।

हरियाणा को यह पुरस्कार राज्य में कृषि अनुकूल नीतियों, कार्यक्रमों, उत्पादन, इनपुट, प्रौद्योगिकियों, विपणन, मूल्यवर्धन, बुनियादी ढांचे और निर्यात के क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान करने के लिए मिला है। हरियाणा की इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री जी ने केंद्र सरकार का आभार जताया और साथ ही अधिकारियों व कर्मचारियों सहित

सभी प्रदेशवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उनका प्रयास हरियाणा को अब कृषि प्रधान से कृषक प्रधान राज्य बनाना है। इसके लिए खेती में आधुनिकता के साथ–साथ किसानों की आमदनी में बढोतरी करना बड़ा लक्ष्य है।

प्रदेश सरकार जहां 14 से अधिक फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है, वहीं किसानों को आधुनिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित भी कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि और बागवानी के क्षेत्र में सुधार के मद्देनजर सिंचाई के लिए पानी का उचित उपयोग, किसानों द्वारा कम पानी की खपत वाली फसलों को अपनाने सहित अनेक कदम उठाए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान राज्य सरकार द्वारा कृषि व्यवसाय को बढ़ावा देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए कृषि क्षेत्र की कंपनियों, किसान उत्पादक संगठनों को चिह्नित किया गया है, ताकि किसानों को संगठित कर सामूहिक रूप से उनके उत्पादन और विपणन की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जा सके।

इन्हीं प्रयासों के मद्देनजर केंद्र सरकार द्वारा हरियाणा को इंडिया एग्रीबिजनेस बेस्ट स्टेट अवार्ड प्रदान किया गया है।

हिमालयन नाईटस एडवेंचर स्पोर्टस एसोसिएशन द्वारा डिप्रेशन के खिलाफ रिले रन का आयोजन

(दिनांक 10.11.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने चण्डीगढ़ स्थित संत कबीर कुटिर निवास से डिप्रेशन के खिलाफ आयोजित सबसे लम्बी रिले रन के प्रतिभागियों को झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए कहा कि कोविड के दौरान लोगों पर डिप्रेशन का प्रभाव पड़ा जिससे उभारने के लिए सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान अनेक कार्यक्रमों एवं समारोह आयोजन कर लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। वर्ल्ड लोंगेस्ट रिले रन का थीम भी डिप्रेशन के खिलाफ प्रहार है। यह बहुत ही अच्छा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डिप्रेशन का लोगों के जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे बचने के लिए उन्हें शारीरिक व्यायाम के साथ साथ सांस्कृतिक गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं खेलों में भाग

लेना चाहिए। रिले रन जैसे आयोजन डिर्प्रेशन से मुक्ति पाने के सबसे बेहतर उपाय होते हैं। अभिभावकों को भी चाहिए कि वे डिर्प्रेशन से प्रभावित लोगो को ऐसी गतिविधियों में भागीदार बनाएं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस रिले रन में लडके, लड़कियां एवं दिव्यांग प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। यह हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में लगभग 8 किलोमीटर लम्बी रिले रन होगी जो लोगों को डिप्रेशन से बाहर निकालने का संदेश देते हुए 16 दिसम्बर को दिल्ली में सम्पन्न होगी। इस रिले रन में 20 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। हर प्रतिभागी 10 किलोमीटर लम्बी दौड़ लगाएगा।

उन्होंने हिमालयन नाईटस एडवेंचर स्पोर्टस एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस रिले रन के प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी और अपने ऐच्छिक कोष से 5 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की।

सिंचाई एवं जल संसाधान विभाग की बैठक

(दिनांक 11.11.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने सिंचाई एवम जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की बैठक ली बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में नदियों या अन्य स्रोतों से आने वाले पानी तथा इसके उपयोग के संबंध में वॉटर अकाउंट डाटा तैयार किया जाए, ताकि प्रति एकड़ पर पानी की उपलब्धता व उसके उपयोग का आकलन कर आगामी वर्षों के लिए पानी के उचित प्रबंधन की योजना तैयार की जा सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पानी के उचित प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए आगामी वर्षों में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित कॉलोनियों, एचएसआईआईडीसी द्वारा विकसित इंडस्ट्रीयल एस्टेट और निजी डेवलपर द्वारा विकसित कॉलोनियों में भी उपचारित अपशिष्ट जल नीति को पूरी तरह से लागू करना होगा। इस नीति के तहत, डबल पाईपलाइन बिछाना और माइक्रो एसटीपी स्थापित करने पर जोर देना होगा।

बैठक में गुरुग्राम में वर्ष 2030 की जनसंख्या के अनुसार पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गुरुग्राम वॉटर सप्लाई चौनल की क्षमता को बढ़ाने, मेवात फीडर चौनल की रिमॉडलिंग करने के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा, सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने हेतू माइक्रो इरिगेशन एवं कमांड एरिया डेवलपमेंट ऑथोरिटी (मिकाडा) द्वारा की गई गतिविधियों पर भी प्रस्तुतिकरण दिया गया।

विधिज्ञ परिषद राष्ट्रीय वैधानिक संगोष्ठी–2022 का आयोजन

(दिनांक 12.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने पंजाब विश्विद्यालय, चंडीगढ़ में अयोजित विधिज्ञ परिषद राष्ट्रीय वैधानिक संगोष्ठी–2022 में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए युवा वकीलों का आह्वान किया कि वे समाज की भलाई के लिए सत्य और ईमानदारी के साथ न्याय के लिए कार्य करें और न्यायिक प्रणाली के साथ–साथ समस्याओं के समाधान के अन्य माध्यमों पर भी आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अनादिकाल से लेकर आज भी समाज का न्यायिक प्रणाली पर भरोसा बना हुआ है, क्योंकि उन्हें पता है कि अगर उनके साथ कुछ गलत होगा तो न्यायिक प्रणाली से उसे न्याय अवश्य मिलेगा। इसलिए न्यायाधीशों और अधिवक्ताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के 3 मुख्य स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका है। विधायिका, जो कि कानून बनाने का काम करती है। जनता द्वारा चुने गए व्यक्ति विधायिका के रूप में कानूनों का निर्माण करते हैं। विधायिका द्वारा बनाए गए कानून को लोगों तक पहुँचाना व कानून को बरकरार रखना कार्यपालिका का काम होता है। इसी प्रकार, न्यायपालिका का कार्य कानूनों की व्याख्या करना व कानून का उल्लंघन

होने पर सज़ा का प्रावधान करना होता है। इन 3 स्तंभों के कारण ही न्यायिक प्रणाली मजबूत बनी हुई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समय के साथ –साथ व्यवस्थाओं, कानूनी प्रक्रियाओं में बदलाव हुआ है। इन वैधानिक परिवर्तनों के बावजूद समस्याओं का समाधान निकालने का रास्ता युवा वकीलों को ही तलाशना होगा। इसलिए समय–समय पर हो रहे वैधानिक परिवर्तनों के बावजूद भी जल्द न्याय दिलाने के लिए युवा वकीलों को अथक प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समाज व देश की भलाई के लिए जहां नए–नए कानून बनाए जा रहे हैं, वहीं अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को खत्म करने का काम भी किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने ऐसे कई पुराने और अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को खत्म किया है। हरियाणा सरकार ने भी इस दिशा में कार्य करते हुए विधि आयोग बनाया है, जिसकी सिफारिशों के आधार पर हरियाणा में लगभग 12 से अधिक अप्रासंगिक कानूनों को खत्म किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने युवा वकीलों को संदेश देते हुए कहा कि एक अच्छा वकील वही होता है, जो अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हुए समाज की भलाई के लिए कार्य कर न्याय दिलाने का काम करें। एक वकील का कार्य कईं मायने में समाज सुधारक के रूप में भी होता है। इसलिए युवा वकीलों को यह सीख लेना होगी कि एक मामले को न्यायालय में सही ढंग और सच्चाई से प्रस्तुत करें।

मुख्यमंत्री जी ने पंजाब एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और बार काउंसिल को आश्वस्त करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार से किसी भी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता होगी, उसके लिए सरकार सदैव तत्पर है।

उन्होंने कहा कि न्यायपालिका द्वारा प्रादेशिक भाषाओं पर बल देने का कदम सराहनीय है। हर प्रदेश की अपनी भाषा है और यदि उस भाषा में न्यायालयों की कार्रवाई और आदेशों का अनुवाद होगा तो जनता को बहुत लाभ मिलेगा।

बाबा बंदा सिंह बहादुर की स्मृति में आयोजित 76वें वार्षिक दिवान कार्यक्रम

(दिनांक 13.11.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने आज हिसार जिले के हांसी में बाबा बंदा सिंह बहादुर की स्मृति में आयोजित 76वें वार्षिक दीवान के समापन अवसर पर शिरकत की और माथा टेका। दीवान में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के समागम निरंतर होते रहने चाहिए, जिससे न केवल आने वाली पीढ़ी को महापुरुषों की जीवनी से प्रेरणा मिलती है, बल्कि इससे समाज में एक नई ऊर्जा, ताकत और सामाजिक सुरक्षा की भावना का संचार भी होता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे इस प्रकार के समागम में अवश्य पहुंचते हैं। उन्होनें कहा कि हमें बाबा बंदा सिंह बहादुर जी के बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए।' बाबा बंदा सिंह बहादुर समाज के लिए तो संत थे, लेकिन समाज के दुश्मनों के लिए एक सिपाही थे। उन्होंने हथियार उठाए, देश की रक्षा की और सबसे पहले सिख राज्य की स्थापना करके लोहगढ़ में राजधानी बनाई। समाज की भलाई के लिए उन्होंने अनेक काम किए।

मुख्यमंत्री जी ने हांसी का जिक्र करते हुए कहा कि हांसी का अपना एक प्रेरणादायी इतिहास है। महाराज पृथ्वीराज चौहान की राजधानी हांसी थी, उन्होंने सारी लड़ाई हांसी से ही लड़ी। हांसी की लाल सडक़ की

कहानी हम सुनते हैं कि कैसे यहां के नागरिकों द्वार शहादत दी गई। इसके साथ लगते रोहनात गांव की शहादत की कहानियां भी सबने सुनी हैं। उन्होंने कहा कि हांसी का ऐतिहासिक महत्व है। हांसी का देश दुनिया की संस्कृति में नाम हो, जिससे लोगों को प्रेरणा मिले, इसलिए जिस प्रकार लोहागढ़ में स्मारक बनाया जा रहा है और मार्शल आर्ट्स स्कूल स्थापित किया जा रहा है, उसी प्रकार हांसी में भी कोई स्थल बनाया जाए, जिससे हांसी का नाम उज्ज्वल होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर की स्मृति में सोसायटी बनी हुई है, यह लगातार अपना कार्य कर रही है। आने वाली पीढ़ी को गुरू की शिक्षा मिले, इसलिए गुरबाणी, गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाओं का अधिक से अधिक प्रचार करें।

इसके लिए जहां गुरुद्वारे नहीं है, वहां गुरुद्वारे बनवाने का प्रयास करें और इस कार्य में राज्य सरकार की ओर से भी पूरी मदद की जाएगी। इसके साथ ही, बाबा बंदा सिंह बहादुर की जीवनी के बारे में भी नई पीढ़ी को सिखाने के लिए उनके जीवन पर किताबें तैयार करने, कला, गीत, भजन व सेमिनार का भी आयोजन किया जाए।

कुलाना (झज्जर) में पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा का अनावरण

(दिनांक 13.11.2022)

प्रभाव : कुलाना (झज्जर) में पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा के अनावरण समारोह में देश के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने रक्षा मंत्री जी का स्वागत किया।

रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा का अनावरण उपरांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा संस्कारों, वीरता व गौरवमयी इतिहास की धरा है जो पूरे देश– दुनिया को संस्कृति का संदेश देती है। ऐसी वीर भूमि को वे प्रणाम करते हैं जो त्याग की प्रेरणा व शौर्य के बलिदान का प्रतीक है। पृथ्वीराज चौहान, राव तुलाराम जैसे महान वीर सपूतों की प्रतिमाएं हमें जीवन में आगे बढ़ने की सीख देते हैं।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि हरियाणा की हवाओं में वीरता तैरती है, देश ही नहीं

विदेशों में ये बात मानी जाती है कि हरियाणा का गौरवशाली इतिहास सदैव दूसरों के लिए अनुकरणीय रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के हर गांव में हमारे सैनिकों की कहानी का गौरव देखने को मिलता है। देश की सरहदों की रक्षा हमारे यहाँ के जवान कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री जी ने जनसभा में मुख्यमंत्री जी की तारीफ करते हुए कहा कि संत व संस्कारवान मुख्यमंत्री के रूप में मनोहर लाल जी ने बेहतर कार्य हरियाणा के विकास के लिए किए हैं। उन्होंने कहा कि जनता के लिए काम करने वाले संत प्रवर्ती के मुख्यमंत्री मनोहर लाल हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री जी की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि सत्ता के शिखर पर भी उनके दामन पर एक भी दाग नहीं है और उनके द्वारा हरियाणा को भयमुक्त व भ्रष्टाचार मुक्त शासन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह विनम्रता, शालीनता पूर्वक प्रदेश की सेवा करने के लिए वे उन्हें बधाई देते हैं।

साप्ताहिक सूचना पत्र

मुख्यमंत्री जी ने कुलाना में पृथ्वीराज चौहान की मूर्ति के अनावरण के अवसर पर कहा कि पृथ्वीराज चौहान का गौरवमयी इतिहास रहा है और देश की सामाजिक, सांस्कृतिक दिशा को मोड़ने वाले पृथ्वीराज चौहान को युवा शक्ति से उनके शौर्य व बलिदान को संदेश लेते हुए प्रेरणा लेनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि इतिहास का विकृत स्वरूप कई वर्षों तक दिखाया गया, इसलिए पृथ्वीराज चौहान के नाम पर शोध संस्थान एवं स्मारक तरावड़ी में बनाने की घोषणा सरकार ने की है। उन्होंने कहा कि संत महापुरुष विचार प्रसार योजना बनाकर हरियाणा

सरकार ने महापुरुषों को याद करने की पहल की है। उन्होंने गौरवमय ढंग से कहा कि हम देश की आबादी का केवल 2 फीसदी हैं लेकिन फिर भी हर दसवाँ सैनिक हरियाणा का है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राजपूत सभा झज्जर के वित्तीय मामले का हल निकाला जाएगा , वहाँ के भवन के लिए भी 21 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूरे जिले की लोक निर्माण विभाग के लिए 100 करोड़ रुपये की लागत से नई बनाने व मरम्मत कराने की घोषणा की। साथ ही नई पंचायतों के कामों के लिए 100 करोड़ रुपये देने की घोषणा भी की।